गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक: 238
दि.29.12.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

खेल-खेल में नाबालिग ने किया फायर, बच्चे की मौत

मुरैना,एजेंसी। मुरैना में खेल-खेल में 14 साल के लड़के ने राइफल से फायर कर दिया। गोली साथ खेल रहे 7 साल के बच्चे के सिर में लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। फायरिंग की आवाज सुन आसपास के लोग इकट्ठे हो गए। पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्चे के शव को मर्चुरी पोरसा पहुंचाया। पुलिस राइफल जब्त कर नाबालिग के पिता को पूछताछ के लिए थाने ले गई। रविवार को बच्चे के शव का पोस्टमॉर्टम होगा। घटना शनिवार को पोरसा के संजय नगर में हुई। एक घर में किराएदार और मकान मालिक के तीन बच्चे खेल रहे थे। मकान मालिक के बेटे ने अपने पिता की रखी 315 बोर की लाइसेंसी राइफल से फायर कर दिया जो किरायेदार के बेटे को लगी थी।

कमरे में दीवार पर टंगी थी राइफल-जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब 10 बजे किराएदार धर्मराज सिंह तोमर का बेटा ऋषभ तोमर, मकान मालिक के दो बेटों के साथ घर की दूसरी मंजिल पर खेल रहा था। कमरे में तीनों ही थे। इसी दौरान मकान मालिक के बेटे ने कमरे में टंगी पिता की 315 बोर की लाइसेंसी राइफल उतार ली। वह राइफल से खेलने लगा और अचानक गोली चल गई। गोली सीधे ऋषभ के सिर में जा धंसी, जिससे उसका सिर फट गया और मौत हो गई।

अकाल तख्त का फैसला, पार्क-होटल में शादियां नहीं होंगी

अमृतसर,एजेंसी। अमृतसर में रविवार को श्री अकाल तख्त साहिब पर पांचों सिंह साहिबानों की अहम बैठक हुई। इसकी अगुवाई कार्यकारी जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने की। इस बैठक में सिख मर्यादाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इनमें आनंद कारज (डेस्टिनेशन वेडिंग), एआई से धार्मिक फिल्में बनाना और सिखा के आंतरिक मामले में राजनीतिक हस्तक्षेप की मनाही का रहा। बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने बताया कि अब आनंद कारज गुरुद्वारों में ही होगा। पार्कों, होटलों और अन्य खुले या व्यवसायिक स्थानों पर आनंद कारज की पूर्णत- मनाही होगी। इसके अलावा धार्मिक विषयों पर एआई या कृत्रिम फिल्में नहीं बनाई जा सकेंगी। यदि बनानी हो तो SGPC की अनुमति जरूरी होगी।

चंडीगढ़ के झुग्गी वाले करोड़पति पर ईडी की चार्जशीट

रेहड़ी से 150 करोड़ की प्रॉपर्टी बनाई

चंडीगढ़,एजेंसी। चंडीगढ़ में झुग्गी से करोड़पति बने फाइनेंसर और प्रॉपर्टी डीलर रामलाल चौधरी पर श्वष्ठ ने शिकंजा कस दिया है। श्वष्ठ ने रामलाल और उसके बेटे अमित कुमार के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में चंडीगढ़ जिला अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है। अदालत ने दोनों आरोपियों को पेश होने के लिए नोटिस जारी कर दिए हैं।

अरावली विवाद: सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया, आज सुनवाई

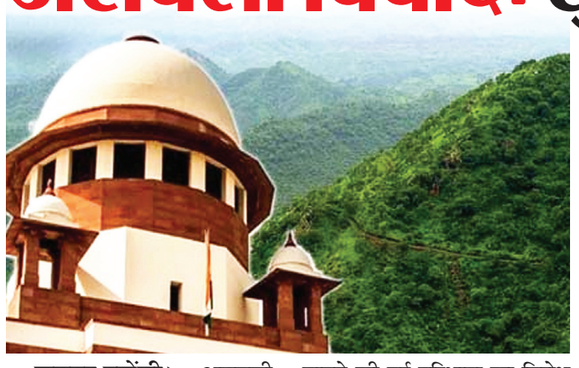

100 मीटर से ऊंची पहाड़ियों को अरावली माना जाए, इसी फैसले का विरोध हो रहा

जयपुर,एजेंसी। अरावली पर्वतमाला को लेकर उठा विवाद एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। दरअसल, जमीन से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को ही अरावली मानने की नई परिभाषा का विरोध हो रहा है।

अब इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की वैकेशन बेंच सोमवार को सुनवाई करेगी। बेंच में जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह भी होंगे। सीजेआई के वैकेशन कोर्ट में यह मामला पांचवें नंबर पर लिस्टेड है। अब सभी की नजरें सुप्रीम कोर्ट की इस सुनवाई पर टिकी हैं, जहां केंद्र और राज्य सरकारों को नए निर्देश जारी किए जा सकते हैं।

क्या है अरावली विवाद :सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर 2025 को केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की समिति की सिफारिश स्वीकार की, जिसमें 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली के रूप में मान्यता देने की बात कही गई। इससे पहले 1985 से चले आ रहे गोदावर्मन और एमसी मेहता मामले में अरावली को व्यापक संरक्षण मिला हुआ था। नए फैसले के बाद राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। पर्यावरण कार्यकर्ता इसे इकोलॉजिकल आपदा बता रहे हैं। पर्यावरणविदों और विपक्षी दलों के नेताओं ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। पर्यावरणविदों का तर्क है कि अरावली रेंज में 100 मीटर से छोटी पहाड़ियों में खनन की मंजूरी मिलने से इन पर्वतमालाओं के अस्तित्व खत्म होने का खतरा पैदा हो गया है। वहीं, केंद्र का कहना है कि यह गलतफहमी है और संरक्षण बरकरार रहेगा।

आरपी बलवान की याचिका पर केंद्र, राज्यों को नोटिस :हरियाणा के वन विभाग के रिटायर अधिकारी आरपी बलवान ने भी पिछले सप्ताह केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की समिति की सिफारिशों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में पहले से चल रहे गोदावर्मन मामले में याचिका दाखिल की, जिस पर कोर्ट ने केंद्र, राजस्थान, हरियाणा सरकार और पर्यावरण मंत्रालय को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट शीतकालीन अवकाश के बाद इस मामले में सुनवाई करेगा।

विवाद के बाद केंद्र ने अरावली रेंज में नए खनन पट्टों पर लगाई रोक :विवाद बढ़ने पर केंद्र सरकार ने अरावली में नए खनन पट्टों पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए। 24 दिसंबर (बुधवार) को केंद्रीय वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने बयान में कहा कि पूरी अरावली श्रृंखला में कोई नया खनन लीज नहीं जारी होगा। केंद्र ने राज्य सरकारों को अरावली में किसी भी प्रकार के नए खनन पट्टे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए हैं। ये प्रतिबंध पूरे अरावली पर समान रूप से लागू होंगे। केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से जारी लिखित बयान के मुताबिक इस आदेश का मकसद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक फैली सतत भूवैज्ञानिक श्रृंखला के रूप में अरावली की रक्षा करना और सभी अनियमित खनन गतिविधियों को रोकना है। केंद्र के बयान के बाद पूर्व सीएम अशोक गहलोत, जयराम रमेश सहित विपक्षी नेताओं ने कहा कि इसमें कुछ भी नया नहीं है।

मन की बात का 129वां एपिसोड : पीएम ने 2025 की उपलब्धियां गिनाई

कहा- ऑपरेशन सिंदूर देश का गर्व बना, अब हम नई उम्मीदों के साथ आगे बढ़ने तैयार

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 129वां एपिसोड 2025 में देश की उपलब्धियों पर चर्चा की। 2025 के आखिरी एपिसोड में नए साल 2026 की चुनौतियों, संभावनाओं, डेवलपमेंट पर भी चर्चा की। पीएम ने कहा- 2025 भारत के लिए गर्व भरे मील के पत्थरों का साल था। चाहे राष्ट्रीय सुरक्षा हो, खेल हो, वैज्ञानिक इनोवेशन हो या दुनिया के सबसे बड़े प्लेटफॉर्म हों, भारत का असर हर जगह दिखाई दे रहा था।

इसके अलावा पीएम मोदी ने खेल, पीएम मोदी ने खेल, वंदेमातरम्, अंतरिक्ष, महाकुंभ, राम मंदिर और 77वें गणतंत्र दिवस पर अपनी बात रखी।

इससे पहले 30 नवंबर को मन की बात का 128वां एपिसोड टेलिकास्ट किया गया था। पीएम ने इसमें भारत में खेलों की प्रगति, विंटर टूरिज्म, वोकल फॉर लोकल के साथ ही वाराणसी में होने वाले काशी-तमिल संगमम का जिक्र किया था।

पीएम ने एंटीबायोटिक दवाओं के बढ़ते इस्तेमाल पर चिंता जताई

पीएम ने कहा ICMR ने हाल ही में रिपोर्ट में बताया कि निमोनिया और TI जैसी बीमारियों में दवाई कमजोर साबित हो रही हैं। इसकी वजह बिना सोचे दवा का सेवन हैं। आज कल लोग एंटी बायोटिक दवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। लोग सोचते हैं कि एक गोली ले लो बीमारी दूर हो जाएगी। मैं अपील करता हूं कि अपने मन से दवाओं का सेवन करने से बचें। इनका इस्तेमाल डॉक्टर की सलाह से ही करें।

मणिपुर के मोइरांगथेम ने सैकड़ों घरों में लगाए सोलर पैनल : पीएम ने कहा कि मणिपुर के एक युवा मोइरांगथेम ने बिजली की समस्या से निपटने के लिए सोलर पैनल लगाने का अभियान चलाया और इस अभियान की वजह से आज उनके क्षेत्र के सैकड़ों घरों में सोलर पावर पहुंच गई है। मणिपुर के सुदूर क्षेत्र में बिजली की बड़ी समस्या थी। इस चुनौती से निपटने के लिए उन्होंने लोकल सोल्यूशन पर जोर दिया और उन्हें ये सोल्यूशन मिला सोलर पावर में। मणिपुर में वैसे भी सोलर एनर्जी पैदा करना आसान है।

दुबई में कन्नड़ पाठशाला खुली, फिजी में तमिल दिवस मनाया गया

पीएम ने कहा कि कन्नड़ा परिवार ने दुबई में कन्नड़ा पाठशाला की शुरुआत की। यह एक ऐसा प्रयास, जहां बच्चों को कन्नड़ा लिखना और बोलना सिखाया जाता है। आज इससे एक हजार से ज्यादा बच्चे जुड़े हैं। वाकई कन्नड़ा की भूमि और भाषा, हमारा गर्व है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को तमिल भाषा से जोड़ने के लगातार प्रयास हो रहे। पिछले महीने फिजी के एक स्कूल में पहली बार तमिल दिवस मनाया गया। उस दिन बच्चों ने अपनी भाषा पर खुले दिल से गौरव व्यक्त किया। कुछ ही दिनों में साल 2026 दस्तक देने वाला है, और आज, जब मैं आपसे बात कर रहा हूँ, तो मन में पूरे एक साल की यादें घूम रही हैं - कई तस्वीरें, कई चर्चाएं, कई उपलब्धियां, जिन्होंने देश को एक साथ जोड़ दिया 2025 ने हमें ऐसे कई पल दिए जिन पर हर भारतीय को गर्व हुआ। देश की सुरक्षा से लेकर खेल के मैदान तक, विज्ञान की प्रयोगशालाओं से लेकर दुनिया के बड़े मंचों तक, भारत ने हर जगह अपनी मजबूत छाप छोड़ी।

इस साल ऑपरेशन सिंदूर हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बन गया। दुनिया ने साफ देखा आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता। स्वदेशी को लेकर भी लोगों का उत्साह खूब दिखाई दिया। लोग वही सामान खरीद रहे हैं, जिसमें किसी भारतीय का पसीना लगा हो और जिसमें भारत की मिट्टी की सुगंध हो। आज हम गर्व से कह सकते हैं 2025 ने भारत को और आत्मविश्वास दिया है।

ये बात भी सही है इस साल प्राकृतिक आपदाएं हमें झेलनी पड़ी, अनेक क्षेत्रों में झेलनी पड़ी। अब देश 2026 में नई उम्मीदों, नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ने को तैयार है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पनडुब्बी INS वाघशीर में यात्रा की

- ऐसा करने वाली दूसरी प्रेसिडेंट; इससे पहले डॉ. कलाम सबमरीन में बैठे थे।

कारवाड़,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कर्नाटक के कारवाड़ नेवल बेस पर पनडुब्बी (सबमरीन) में यात्रा की। कलवरी क्लास की सबमरीन INS वाघशीर में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी राष्ट्रपति के साथ थे। राष्ट्रपति मुर्मू की कलवरी क्लास सबमरीन में यह पहली और किसी राष्ट्रपति की दूसरी यात्रा है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पहले राष्ट्रपति थे, जिन्होंने सबमरीन में यात्रा की थी। कलाम ने फरवरी 2006 में पनडुब्बी यात्रा की थी।

राष्ट्रपति नौसेना की वर्दी पहनकर पनडुब्बी में पहुंची। P75 स्कॉर्पीन प्रोजेक्ट की छठी और अंतिम पनडुब्बी INS वाघशीर को जनवरी में नौसेना में शामिल किया गया था।

लड़ाकू विमानों में भी उड़ान भर चुकीं राष्ट्रपति : द्रौपदी मुर्मू भारतीय वायुसेना के दो लड़ाकू विमानों में उड़ान भरने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति भी हैं। उन्होंने इस साल 29 अक्टूबर को राफेल और 2023 में सुखोई 30 MKI में उड़ान भरी।

दिग्विजय की संघ-मोदी टिप्पणी पर कांग्रेस नेता नाराज

मणिकम टैगोर बोले- आरएसएस और अलकायदा एक जैसे

खेड़ा ने कहा-गोडसे का संगठन हमें नहीं सिखा सकता

नई दिल्ली,एजेंसी। दिग्विजय सिंह के RSS-BJP की तारीफ करने वाले पोस्ट पर कांग्रेस के कई नेताओं ने प्रतिक्रिया दी है। मणिकम टैगोर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि RSS नफरत फैलाने वाला संगठन है, अलकायदा की तरह काम करता है। वहीं कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि गोडसे के लिए जानी जाने वाली संस्था गांधी द्वारा स्थापित संस्था को क्या सिखा सकती है? उन्होंने आगे कहा कि ऋस्स से सीखने जैसा कुछ नहीं है। दरअसल, शनिवार को दिग्विजय सिंह ने X पर RSS-BJP के एक पुराने कार्यक्रम की तस्वीर शेयर कर संगठन की तारीफ की थी। तस्वीर में नरेंद्र मोदी लाल कृष्ण आडवाणी के पैरों के पास बैठे दिख रहे थे।

दिग्विजय ने लिखा था- नेताओं के चरणों में बैठने वाला सीएम-पीएम बना, ये संघटन की शक्ति : दिग्विजय सिंह ने शनिवार को अपनी पोस्ट में लिखा Quora site पर मुझे यह चित्र मिला। बहुत ही प्रभावशाली है। किस प्रकार RSS का जमीनी स्वयंसेवक व जनसंघ @BJPyIndia का कार्यकर्ता नेताओं की चरणों में फर्श पर बैठकर प्रदेश का मुख्यमंत्री व देश का प्रधानमंत्री बना। यह संघटन की शक्ति है। ..जय सिया राम।

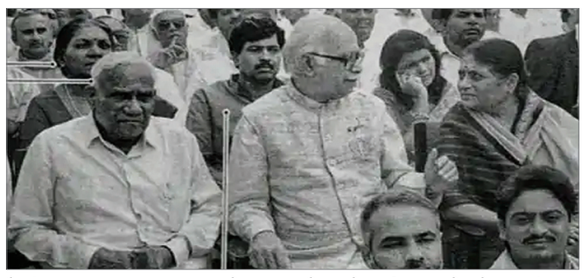

जमुई में सीमेंट लदी मालगाड़ी नदी में गिरी 30 मिनट पहले गुजरी थी पूर्वांचल एक्सप्रेस

पटना-हावड़ा रूट 10 घंटे से प्रभावित, 9 ट्रेन डायवर्ट, 1 कैंसिल

जमुई,एजेंसी। बिहार के जमुई में सीमेंट लदी एक मालगाड़ी अचानक डिरेल हो गई। आसनसोल की ओर से झाझा जा रही अपलाइन मालगाड़ी के कुल 15 डिब्बे पटरी से उतर गए। इनमें से 10 डिब्बे रेलवे ब्रिज पर ही पलट गए, जबकि 5 डिब्बे नीचे बरुआ नदी में जा गिरी।

हादसा पूर्व रेलवे के आसनसोल रेल मंडल अंतर्गत जसीडीह-झाझा रेलखंड पर शनिवार बरुआ नदी पर बने रेलवे ब्रिज संख्या 676 के पास रात करीब 11:40 बजे हुआ। हादसे के बाद पटना से हावड़ा जाने वाली रेल रूट करीब 10 घंटे से प्रभावित है।मुजफ्फरपुर से हावड़ा जाने वाली बाघ एक्सप्रेस को 16 स्टेशनों पर कैंसिल कर दिया गया है। 9 ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है जबकि पटना-दे वघर (63210) पैसेंजर को कैंसिल कर दिया गया है। 30 मिनट पहले इसी ट्रैक से पूर्वांचल एक्सप्रेस गुजरी थी। ये ट्रेन गोरखपुर से कोलकाता जाता है।

आसपास के लोगों का कहना है, अप लाइन से आ रही मालगाड़ी जैसे ही पुल के पास पहुंची, अचानक पटरी उखड़ गई। हादसे के बाद 3 डिब्बे सीधे बरुआ नदी में गिर गए, जबकि दो डिब्बे पुल पर लटकते रहे। करीब 6 से अधिक डिब्बे पटरी से उतर गए और एक-दूसरे पर चढ़ गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अप लाइन की पटरी उखड़कर डाउन लाइन में जा सिमटी। हालांकि, रेलवे ने अभी कारणों का जिक्र नहीं किया है। बोगियों को पटरी से हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस बोली- अनंतनाग में आतंकियों का वायरल वीडियो गलत

अनंतनाग,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार देर शाम कहा कि सोशल मीडिया में अनंतनाग के बाजार में आतंकियों का जो वीडियो वायरल हो रहा है, वह गलत है। अनंतनाग पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि ऐसी अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें। दरअसल, अनंतनाग के बाजार में लश्कर के दो आतंकियों का CCTV फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। दावा किया जा रहा था कि CCTV फुटेज सामने आने के बाद डेंगरपोरा और काजीबाग इलाके में सर्च ऑपरेशन लॉन्च किया गया है। वीडियो में कुलगाम के खेरवन का रहने वाला मो. लतीफ भट और पाकिस्तानी कमांडर हंजुल्लाह के होने का भी दावा किया जा रहा था।

कश्मीर में पारा 0डिग्री, राजस्थान के सीकर में 2.1 डिग्री

अमृतसर-जालंधर में विजिबिलिटी जीरो; जेट स्ट्रीम की रफ्तार 262kmph, इससे ठिठुरन बढ़ी

नई दिल्ली/ भोपाल/ लखनऊ, एजेंसी। रविवार को राजस्थान के सीकर जिले के फतेहपुर में तापमान 2.1 डिग्री, करौली में 2.4 डिग्री, सीकर में 3.5 डिग्री, पाली में 3.6 डिग्री और दौसा में 3.9 डिग्री दर्ज किया गया।

पंजाब और हरियाणा में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। हिसार में तापमान 2.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। पंजाब के फरीदकोट में तापमान 3.4 डिग्री, पटियाला में 4.6 डिग्री और अमृतसर-लुधियाना में 4.4 डिग्री पारा रिकॉर्ड किया गया।

दरअसल, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में जेट स्ट्रीम का असर है। ये जमीन से 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर चलने वाली हवाएं हैं। इस बार इनकी रफ्तार 262kmph तक पहुंच गई है।मौसम विभाग के मुताबिक जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश में अगले 5 दिन तक तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी।

23 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट है, इसका असर ट्रेनों और फ्लाइट्स पर नजर आ रहा है। रविवार को 13 फ्लाइट रद्द की गई हैं। DGCA ने 10 दिसंबर से 10 फरवरी तक को फॉग विंडो घोषित किया है। इस दौरान कम दृश्यता के कारण उड़ान संचालन प्रभावित हो सकता है।

आसमान में ठंडी और गर्म हवा की नदी जैसी बहने वाली हवाएं ही जेट स्ट्रीम हैं। जेट स्ट्रीम आमतौर पर उत्तर (ध्रुवीय इलाकों) की ठंडी हवा और दक्षिण (गरम इलाकों) की गर्म हवा के बीच चलती हैं। जब जेट स्ट्रीम झुक जाती है या फिर नीचे की ओर आ जाती है, तो यह उत्तर की बहुत ठंडी हवा को भारत तक खींच लाती है। नतीजा, अचानक ठंड बढ़ जाती है।

अगर जेट स्ट्रीम की रफ्तार कम हो जाए या एक जगह रुक जाए, तो ठंडी हवा वहीं फंस जाती है। इससे कई दिन तक ठंड बनी रहती और शीतलहर का असर बढ़ जाता है।

संपादकीय

संगठन की शक्ति का दिग्विजय ने किया जिक्र, पार्टी नेतृत्व को दिया संदेश

दिग्विजय सिंह ने लालकृष्ण आडवाणी और नरेंद्र मोदी की पुरानी तस्वीर साझा कर आरएसएस की सांगठनिक शक्ति की सराहना की। उन्होंने कांग्रेस की संगठनात्मक कमजोरी पर चिंता व्यक्त की और पार्टी नेतृत्व को सुधारों पर ध्यान देने का संदेश दिया। लेख में गांधी परिवार को चाटुकारों से घिरा बताया गया है, जिससे कांग्रेस कमजोर हुई है। यह भी कहा गया है कि वास्तविक शक्ति अभी भी गांधी परिवार के पास है, जो अपनी विफलताओं के लिए दूसरों को दोष देता है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने लालकृष्ण आडवाणी और नरेन्द्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर पोस्ट कर जिस तरह यह लिखा कि आरएसएस का एक स्वयंसेवक एवं भाजपा का जमीनी कार्यकर्ता जमीन पर बैठकर मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री बना, उस पर चर्चा होना स्वाभाविक है। इसलिए और भी अधिक, क्योंकि उन्होंने इस फोटो के साथ अपने मन की बात उस समय साझा की, जब कांग्रेस कार्य समिति की बैठक चल रही थी।

उन्होंने उक्त फोटो को प्रभावशाली बताते हुए उसे संगठन की शक्ति का परिचायक भी कहा। उल्लेखनीय केवल यह नहीं कि उन्हें संगठन की शक्ति बताने के लिए यही फोटो उपयुक्त लगी, बल्कि यह भी है कि उन्होंने अपनी पोस्ट को मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी के साथ प्रधानमंत्री मोदी को भी टैग किया।

हालांकि इस पोस्ट को लेकर चर्चा का बाजार गर्म होने पर उन्होंने सफाई दी कि मैंने केवल संगठन की तारीफ की है और मैं तो आरएसएस और मोदी जी का घोर विरोधी हूं, लेकिन उनकी बात से यह तो ध्वनित हो ही गया कि वे कांग्रेस की सांगठनिक कमजोरी से बेचैन हैं और यह चाहते हैं कि पार्टी नेतृत्व संगठन पर ध्यान दे।

इसे चंद दिनों पहले की उनकी उस पोस्ट से और अच्छे से समझा जा सकता है, जिसमें उन्होंने राहुल गांधी को संबोधित करते हुए लिखा था कि कांग्रेस को सुधारों और विकेंद्रीकरण की जरूरत है। इस पोस्ट में उन्होंने यह अपेक्षा तो जताई थी कि राहुल ऐसा करेंगे, पर इसी के साथ यह भी कहा था कि समस्या यह है कि उन्हें सहमत करना कठिन है।

यह पहली बार नहीं, जब कांग्रेस के किसी नेता ने पार्टी की कमजोरियों को रेखांकित किया हो, लेकिन कहीं कोई बुनियादी बदलाव होता नहीं दिख रहा है। यह इसलिए नहीं हो रहा है, क्योंकि गांधी परिवार चाटुकार नेताओं से घिरा है। कांग्रेस में उसी की पूछ-परख है, जो परिवार का गुणगान करता है। एक समय गांधी परिवार कांग्रेस की ताकत हुआ करता था, लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। इंदिरा गांधी के समय तो तब भी गनीमत थी, लेकिन उनके निधन के बाद जब राजीव गांधी पीएम बना दिए गए तो चाटुकार नेताओं का महत्व बढ़ गया और कांग्रेस कमजोर होती चली गई।

इंदिरा गांधी की हत्या से उपजी सहानुभूति के चलते 1984 में तो कांग्रेस ने प्रचंड जीत हासिल की, लेकिन उसके बाद से वह कभी बहुमत नहीं पा पाई। आज सोनिया और राहुल की कांग्रेस उन क्षेत्रीय दलों पर निर्भर है, जो उससे ही टूट कर बने हैं। कांग्रेस की कमान भले ही खरगे के हाथ में हो, लेकिन वास्तविक शक्ति गांधी परिवार के पास ही है और वह संगठन को मजबूत करने के बजाय अपनी नाकामियों का दोष मोदी सरकार और चुनाव आयोग पर मढ़ने में लगा हुआ है।

(पुस्तक समीक्षा) मशहूर वैदिक विज्ञानी डॉ दया शंकर त्रिपाठी जी की पुस्तक वैदिक एवं पौराणिक साहित्य में विज्ञान एक अति उत्तम पुस्तक

समीक्षक - संजय गोस्वामी

वैदिक विज्ञान वेदों और प्राचीन भारतीय ग्रंथों में निहित ज्ञान का एक व्यापक क्षेत्र है, जिसमें आध्यात्मिकता, दर्शन, खगोल विज्ञान, गणित, चिकित्सा (आयुर्वेद), और भौतिकीवेदों और प्राचीन भारतीय ग्रंथों में निहित ज्ञान का एक व्यापक क्षेत्र है, जिसमें आध्यात्मिकता, दर्शन, खगोल विज्ञान, गणित, चिकित्सा (आयुर्वेद), और भौतिकी जैसे विषय शामिल हैं, जो सृष्टि के नियमों और चेतना के गहरे सिद्धांतों पर आधारित हैं;वैदिक विज्ञान में वैदिक गणित की एक प्राचीन भारतीय प्रणाली है, जिसे 20वीं सदी की शुरुआत में जगद्गुरु श्री भारती कृष्ण तीर्थ जी ने पुनर्जीवित किया और 16 मूल सूत्रों और 13 उप-सूत्रों के माध्यम से सरल और तेज़ गणना के तरीके प्रदान किए, जिससे मानसिक गणित की क्षमता बढ़ती है और अंकगणित, बीजगणित, ज्यामिति जैसी जटिल समस्याओं को आसानी से हल किया जा सकता है, जो समय बचाने और एकाग्रता बढ़ाने में मददगार है।

वैदिक विज्ञानजिसमें आध्यात्मिकता, दर्शन, खगोल विज्ञान, गणित, चिकित्सा (आयुर्वेद), और भौतिकीवेदों और प्राचीन भारतीय ग्रंथों में निहित ज्ञान का एक व्यापक क्षेत्र है, जिसमें आध्यात्मिकता, दर्शन, खगोल विज्ञान, गणित, चिकित्सा (आयुर्वेद), और भौतिकी जैसे विषय शामिल हैं, जो सृष्टि के नियमों और चेतना के गहरे सिद्धांतों पर आधारित हैं, पुस्तक के लेखक- डॉ दया शंकर त्रिपाठी (एम.एससी., पीएच.डी., डिप्लोमा इन योगा) है पुस्तक का प्रकाशन - वैदिक विज्ञान केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा किया गया है वैदिक विज्ञान शाश्वत है। अखिल ब्रह्मांड में जो कुछ भी है और हो सकता है, वह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा पहले ही किसी न किसी रूप में श्रुति एवं ज्ञान परम्परा में लिपिबद्ध कर मानव कल्याण हेतु प्रस्तुत किया गया है। वैदिक विज्ञान और आधुनिक विज्ञान के मध्य संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से काशी हिंदू विश्वविद्यालय में वैदिक विज्ञान केंद्र की स्थापना की गई है, जो इस दिशा में कार्यरत है। प्रस्तुत पुस्तक वैदिक एवं पौराणिक साहित्य में विज्ञान हमारे देश के विभिन्न वैदिक और पौराणिक साहित्य में उपलब्ध कुछ विशिष्ट मंत्रों और उस लोगों का संग्रह है जो आज के परिपेक्ष में वैज्ञानिक समुदाय के लिए पठन और चिंतन-मनन के लिए प्रेरित करने वाला है। यह सब इस बात का प्रमाण है कि हमारा अतीत कितना समृद्ध और प्रतिभाशाली रहा है। इस पुस्तक को तैयार करने का उद्देश्य हमारे वैज्ञानिकों, चिकित्सकों और संस्कृत साहित्य से इधर शिक्षाविदों हेतु अध्ययन और चिंतन के लिए है जो यह बतलाता है कि हमारे ऋषि-मुनियों ने जनहित में क्या-क्या और किस-किस प्रकार के कार्य किए हैं। उन्होंने संपूर्ण धरा पर विद्यमान जितनी भी वनस्पतियां मिल सकीं उनका अध्ययन और तर्कसंगत नामकरण तथा उनकी उपयोगिता भी लिपिबद्ध की। उनके द्वारा रोगों का निदान स्वस्थ रहने के लिए जीवनचर्या आदि का भी वर्णन किया गया है। इनके साथ ही उन्होंने मानव शरीर का विधिवत अध्ययन कर इस प्रकार से वर्णन किया है कि आज का आधुनिक विज्ञान भी उन्हें पढ़ कर हतप्रभ हो जाता है और उन्हें गलत भी सिद्ध नहीं कर सकता। यह पढ़कर आश्चर्य होता है कि उन्होंने शरीर में हड्डियों की संख्या, नाड़ियों और धमनियों के संख्या का सटीक विवरण प्रस्तुत किया है। हमारे ऋषियों द्वारा पृथ्वी पर ऋतु, वर्षा, पंचमहाभूत आदि का विस्तृत विवरण दिया गया है जो मंत्रों और श्लोकों के माध्यम से लिपिबद्ध हैं। दूसरी तरफ हमारे वेदों और पौराणिक ग्रंथों में अखिल ब्रह्मांड, सूर्य, पृथ्वी, उनका घूर्णन, भ्रमण और ग्रहण आदि का भी वर्णन मिलता है। ऋग्वेद में पृथ्वी के आकार का वर्णन दिया गया है, उसमें लिखा है कि पृथ्वी गोल है तथा सूर्य के आकर्षण पर टिकी हुई है। शतपथ में जो भी परिमंडल रूप है वह भी पृथ्वी के गोलाकार आकृति का प्रतीक है। हमारे ऋषि-मुनियों को पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा करने का भी ज्ञान था। यजुर्वेद में लिखा है कि पृथ्वी जल सहित सूर्य के चारों ओर घूमती है। वेद में सूर्य को वृघ्न कहते हैं अर्थात् पृथ्वी से सैकड़ों गुना बड़ा व करोड़ों कोस दूर। ऋग्वेद में लिखा है कि सूर्य की सात किरणें हैं जो दिन को उत्पन्न करती हैं। आधुनिक विज्ञान ने भी प्रिज्म के प्रयोग से सूर्य की किरणों के साथ रंगों को अलग-अलग करके साबित कर दिया है। यह भी लिखा है कि जब चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच में आ जाता है तो सूर्य पूरी तरह से स्पष्ट दिखाई नहीं देता। चंद्रमा द्वारा सूर्य को घेरकर अंधकार पैदा कर देना ही सूर्य ग्रहण कहलाता है। यजुर्वेद में सूर्य की ऊर्जा के बारे में लिखा है अपां रसम् उदवयसं, इस मंत्र का अर्थ है जल का सार भाग अर्थात हाइड्रोजन और उदवयसं शब्द का अर्थ है ऊर्जा या गैस। आधुनिक विज्ञान भी मानता है कि पृथ्वी और सूर्य पर सबसे अधिक मात्रा में विद्यमान तत्व हाइड्रोजन ही है। हमारे सूर्य से जो ऊर्जा चारों तरफ विसर्जित होती है और जिस का कुछ अंश हमारी धरती को प्राप्त होता है वह हाइड्रोजन और हीलियम की क्रिया-प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप प्राप्त होता है। ऋग्वेद में बिना ईंधन उड़ने वाले विमान का भी वर्णन किया गया है जो विमान शास्त्र के अन्तर्गत आता है। इस पुस्तक में ऐसे भी संदर्भ दिए गए हैं जिसमें यक्ष्मा रोग से मुक्ति, श्वेत कुष्ठ निवारक औषधि, शल्य कार्य द्वारा प्रसव एवं लौह शलाका द्वारा मूत्रावरोध को दूर करने का वर्णन है। अथर्ववेद में कुष्ठ रोग के निवारण हेतु कुष्ठा औषधि का जिक्र है, और कुष्ठा औषधि के प्राप्तिस्थल का भी वर्णन है। आधुनिक विज्ञान ने भी कुष्ठा की पहचान की है। इसकी और भी कई प्रजातियां खोजी गई हैं। सूर्य रश्मि द्वारा चिकित्सा, जल और वायु, आहार आदि जीवनोपयोगी संदर्भों के विवरण भी दिए गए हैं। हमारे शास्त्रों में रसायन चिकित्सा के माध्यम से च्यवन ऋषि को जरा अवस्था (बुढ़ापा) से मुक्ति दिलाने का वर्णन है। एक स्थान पर दधीचि को अश्व का सिर लगाकर मधु विद्या पढ़ने का वर्णन इस प्रकार मिलता है- भगवान इंद्र द्वारा महर्षि दधीचि को मधु विद्या इस शर्त पर पढ़ाया गया कि यदि वह दूसरे को पढ़ाएंगे तो उनका सिर काट लिया जाएगा। तब अश्वनीकुमार ने दधीचि ऋषि के सिर को काटकर अश्व का सिर लगा दिया और उनसे मधु विद्या पढ़ ली। इसके बाद जब भगवान इंद्र को ज्ञात हुआ तो उन्होंने दधीच के सिर को काट कर अपना शर्त पूरा कर लिया, बाद में अश्विनीकुमार ने दधीचि का पहला वाला सिर जोड़कर उन्हें पूर्व की भांति कर दिया। इस पुस्तक में एक स्थान पर वायु का वर्णन किया गया है जिसमें बताया गया है कि वायु दो प्रकार के होते हैं और इन्हें देवदूत भी करते हैं। वायु का पहला प्रकार समुद्र के ऊपर चलता है और दूसरा पृथ्वी के ऊपर। समुद्र का वायु बलदाता है, जबकि पृथ्वी का वायु हमारे विकारों को अपने साथ ले जाता है। इस प्रकार के अनेक मंत्र हमारे वैदिक और पौराणिक साहित्य में मिल जाएंगे। आज आवश्यकता है कि ऐसे संदर्भों को खोज-खोज कर उनमें छिपे वैज्ञानिक तथ्यों को आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत किए जाएं, जिससे हमारे ज्ञान विज्ञान समृद्धि अतीत पर गर्व करने का मार्ग प्रशस्त हो सके और हमारा मानव समाज लाभान्वित हो सकें। इसी पर आधारित वैदिक विज्ञान की पुस्तक पुस्तक का नाम- वैदिक एवं पौराणिक साहित्य में विज्ञान है जिसके लेखक- डॉ दया शंकर त्रिपाठी ने पुस्तक में पूर्ण जानकारी दि हैपुस्तक के संपादन प्रोफेसर उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी, समन्वयक, वैदिक विज्ञान केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा किया गया व प्रकाशन - वैदिक विज्ञान केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा किया गया है लेखक ने लिखा है कि हमारे शास्त्रों में इस प्रकार के अनेक वर्णन मिल जाएंगे, जिन्हें एक साथ प्रस्तुत करना असंभव है। उनका सुझाव है कि जिन्हें इस तरह के संदर्भ में रुचि हो और विस्तार से पढ़ना चाहते हों, उन्हें किसी शास्त्र के जानकार व्यक्ति मिलकर पढ़ने और समझने का प्रयास करना चाहिए औरपुस्तक को उ.प्र. संस्कृत संस्थान, लखनऊ द्वारा वर्ष 2021 के अन्तर्गत विविध पुरस्कार श्रेणी में पुरस्कृत करने की घोषणा हुई जिसे शीघ्र ही लखनऊ में सम्मानित किया गया ।इस पुस्तक का संपादन- प्रोफेसर उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी, समन्वयक, वैदिक विज्ञान केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा किया गया,मूल्य-का मूल्य 200/- मात्र है इसका आईएसबीएन- न 978-81-951360-6-3 है और पृष्ठों की कुल संख्या 100 है व - रंगीन आवरण अच्छा व सजिल्द है ।

विदेशी मुद्रा की तलाश में 'हराम' से समझौता, पाकिस्तान की मजबूरी, नीतियों की विफलता और डगमगाती अर्थव्यवस्था

कांतिलाल मांडोत

इस्लामिक मूल्यों, सख्त धार्मिक कानूनों और सामाजिक पाबंदियों के लिए पहचाने जाने वाले देशों में जब शराब को लेकर फैसले बदलने लगें, तो यह केवल नीति परिवर्तन नहीं बल्कि गहरे आर्थिक संकट का संकेत होता है। हाल के दिनों में सऊदी अरब द्वारा गैर-मुस्लिमों को सीमित दायरे में शराब सेवन की छूट और अब पाकिस्तान द्वारा अपनी ऐतिहासिक मुरी ब्रेवरी को शराब निर्यात की अनुमति देना इसी कड़ी का हिस्सा है। यह फैसला जितना ऐतिहासिक है, उतना ही पाकिस्तान की मजबूरी और उसकी आर्थिक बदहाली का आईना भी है।

पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने करीब पचास वर्षों बाद मुरी ब्रेवरी पर लगे निर्यात प्रतिबंध को हटाकर उसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपने उत्पाद बेचने की इजाजत दे दी है। 1860 में ब्रिटिश शासन के दौरान स्थापित मुरी ब्रेवरी पाकिस्तान की सबसे पुरानी शराब निर्माता कंपनी है। एक मुस्लिम बहुल देश में, जहां शराब को हराम माना गया है और उसके सेवन व बिक्री पर कानूनी और सामाजिक पाबंदियां हैं, वहां इस कंपनी का दशकों तक टिके रहना अपने आप में एक असाधारण उदाहरण रहा है। अब इसे निर्यात लाइसेंस मिलना बताता है कि पाकिस्तान किस हद तक आर्थिक दबाव में है।

मुरी ब्रेवरी के प्रमुख इस्फनग भंडारा का कहना है कि उनके दादा और पिता दोनों ने शराब निर्यात की अनुमति पाने के प्रयास किए थे, लेकिन तब की सरकारें धार्मिक और राजनीतिक दबाव के कारण पीछे हट गईं। आज वही सरकार, वही राज्य तंत्र, विदेशी मुद्रा की सख्त जरूरत के चलते उसी 'हराम' माने जाने वाले उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचने की राह खोल रहा है। यह विरोधाभास नहीं बल्कि पाकिस्तान की बदहाल अर्थव्यवस्था की मजबूरी है।

पाकिस्तान इस समय गहरे आर्थिक संकट से गुजर रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार लगातार दबाव में है। आयात बढ़ते जा रहे हैं, जबकि निर्यात की क्षमता सीमित होती जा रही है। आईएमएफ से कर्ज, चीन से उधार और खाड़ी देशों से अस्थायी राहत के सहारे किसी तरह अर्थव्यवस्था को संभालने की कोशिश की जा रही है। ऐसे में सरकार को हर उस रास्ते पर विचार करना पड़ रहा है, जिससे डॉलर आ सके। शराब निर्यात का फैसला इसी सोच का परिणाम है।

यह केवल शराब तक सीमित मामला नहीं है, बल्कि यह पाकिस्तान की नीतिगत विफलताओं की कहानी भी कहता है। वर्षों तक देश को धार्मिक राज्य' के रूप में पेश किया गया। नीतियां आस्था के नाम पर तय होती रहीं, लेकिन आर्थिक सुधार, औद्योगिक विकास, शिक्षा और मानव संसाधन पर उतना ध्यान नहीं दिया गया जितना जरूरी था। नतीजा यह हुआ कि आज पाकिस्तान के पास निर्यात के लिए गिने-चुने उत्पाद ही बचे हैं। टेक्सटाइल उद्योग संकट में है। कृषि उत्पादन महंगाई और जलवायु प्रभाव से जूझ रहा है। आईटी और सेवा क्षेत्र वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ चुका है। ऐसे में सरकार को उन विकल्पों की ओर लौटना पड़ रहा है, जिन्हंन कभी उसने खुद खारिज कर दिया था।

आम पाकिस्तानी नागरिक के लिए हालात बेहद कठिन हो चुके हैं। महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। आटा 120 रुपये किलो तक पहुंच चुका है, जो गरीब और मध्यम वर्ग के लिए किसी अभिशाप से कम नहीं है। सब्जियां, दालें, तेल और ईंधन की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। बिजली और गैस के बिल आम लोगों की आय से कहीं ज्यादा हो गए हैं। बेरोजगारी बढ़ रही है और रोजगार के अवसर सिकुड़ते जा रहे हैं। ऐसे में सरकार द्वारा शराब निर्यात से विदेशी मुद्रा लाने की बात जनता के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसी लगती है।

सरकार की नीतियों पर नजर डालें तो साफ दिखता है कि तात्कालिक राहत के लिए दीर्घकालिक मूल्यों और सिद्धांतों से समझौता किया जा रहा है। एक ओर धार्मिक भावनाओं की बात की जाती है, दूसरी ओर उन्हीं भावनाओं के विपरीत फैसले लिए जा रहे हैं। इससे न केवल सरकार की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं, बल्कि समाज में भी भ्रम और असंतोष बढ़ता है। सवाल यह है कि अगर शराब निर्यात से ही अर्थव्यवस्था को बचाना था, तो फिर दशकों तक इसे 'हराम' कहकर प्रतिबंधित क्यों रखा गया।

चीन के साथ पाकिस्तान की गहरी मित्रता भी उसकी आर्थिक मजबूरी को और जटिल बना रही है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा बड़े सपनों के साथ शुरू किया गया था, लेकिन समय के साथ यह परियोजना पाकिस्तान के लिए कर्ज का बोझ बनती जा रही है। चीनी कंपनियों को विशेष रियायतें दी गईं। स्थानीय उद्योगों को अपेक्षित लाभ नहीं मिला। यहां तक कि 2017 में पाकिस्तान ने एक चीनी कंपनी को शराब उत्पादन की अनुमति दी थी, जो मुख्य रूप से चीन के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में काम कर रहे कर्मचारियों के लिए थी। यह निर्णय भी घरेलू उद्योगों और स्थानीय नियमों के साथ भेदभाव का उदाहरण बना।

चीन के साथ असंतुलित आर्थिक संबंधों का असर यह हुआ कि पाकिस्तान की नीति-निर्माण प्रक्रिया में आत्मनिर्भरता की जगह निर्भरता बढ़ती गई। सस्ते कर्ज और निवेश के बदले दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक दबाव स्वीकार किए गए। आज हालत यह है कि पाकिस्तान अपनी आर्थिक जरूरतों के लिए न तो पूरी तरह पश्चिम पर भरोसा कर सकता है, न ही चीन के सहारे स्थायी समाधान निकाल पा रहा है। शराब निर्यात की अनुमति इसी असमंजस की उपज है।

अंतरराष्ट्रीय उदाहरण देखें तो कई देश आर्थिक संकट में अपने परंपरागत नियमों में ढील देते रहे हैं। सऊदी अरब का उदाहरण सामने है, जहां हाल ही में गैर-मुस्लिमों को सीमित दायरे में शराब पीने की छूट दी गई। इसका मकसद पर्यटन, निवेश और वैश्विक छवि को मजबूत करना बताया गया। हालांकि सऊदी अरब ने यह कदम एक व्यापक आर्थिक सुधार और विविधीकरण की नीति के तहत उठाया। पाकिस्तान का मामला इससे अलग है। यहां कोई दीर्घकालिक विजन नहीं, बल्कि तत्काल विदेशी मुद्रा जुटाने की हड़बड़ी दिखाई देती है।

मुरी ब्रेवरी को निर्यात लाइसेंस मिलना निश्चित रूप से उसके लिए एक कारोबारी उपलब्धि है, लेकिन यह पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए स्थायी समाधान नहीं हो सकता। शराब निर्यात से कुछ विदेशी मुद्रा जरूर आएगी, लेकिन इससे न तो महंगाई कम होगी, न बेरोजगारी घटेगी और न ही खाद्यान्न संकट का समाधान निकलेगा। यह केवल एक अस्थायी सहारा है, जो गहरी बीमारी पर लगाया गया मरहम भर है।

पाकिस्तान की मौजूदा आर्थिक हालत यह बताती है कि देश को मूलभूत सुधारों की जरूरत है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और शासन प्रणाली में सुधार के बिना कोई भी तात्कालिक फैसला देश को संकट से बाहर नहीं निकाल सकता। विदेशी मुद्रा के लिए हराम' और हलालके बीच झूलती नीतियां न तो जनता का भरोसा जीत सकती हैं और न ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थायी सम्मान दिला सकती हैं। इसलिए शराब निर्यात का फैसला पाकिस्तान की मजबूरी का प्रतीक है। यह बताता है कि जब नीतियां दूरदर्शिता से नहीं बनतीं और अर्थव्यवस्था को राजनीतिक और वैचारिक प्रयोगशाला बना दिया जाता है, तो एक दिन वही राज्य अपने ही घोषित सिद्धांतों से समझौता करने को मजबूर हो जाता है। आज पाकिस्तान इसी मोड़ पर खड़ा है, जहां विदेशी मुद्रा की तलाश में उसे अपने अतीत, अपनी नीतियों और अपने दावों पर नए सिरे से सवाल करना पड़ रहा है।

(वरीष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, स्तम्भकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

उपलब्धियो और खामियों के बीच जूझता रहा 2025!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

बीत रहा सन 2025 का साल भारत के लिए रक्षा, प्रौद्योगिकी, खेल और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में उपलब्धियों भरा रहा।इस बीत रहे वर्ष में स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट लॉन्च हुए, अग्नि प्राइम का सफल परीक्षण हुआ, महिला क्रिकेट ने वर्ल्ड कप जीता, और विकसित भारत बिल्डथॉन जैसी पहल हुई,साथ ही एआई में उभरती शक्ति के रूप में पहचान मिली, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स और ईवी जैसे सेक्टर में वृद्धि देखी गई, लेकिन यह साल कुछ राजनीतिक उथल-पुथल और भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण ऑपरेशन सिंदूर के संघर्ष का साक्षी भीरहा।सन 2025 में कई क्षेत्रों में निराशाएँ देखने को मिलीं, खासकर भारतीय फुटबॉल में प्रशासनिक संकट और खराब प्रदर्शन, भारतीय एयरलाइंस सेक्टर में अनिश्चितता, युवाओं के बीच नौकरी को लेकर चिंताएँ, और डिजिटल युग में निजता व सुरक्षा के मुद्दे, तथा कुछ चर्चित किताबों का उम्मीदों के मुताबिक न आना प्रमुख कहे जा सकते है।2025 भी हर साल की तरह राजनीतिक घटनाओं से भरा रहा, और देश भर में विवाद और बहस हुई. सबसे बड़ा वाकया तो इस लिहाज से ऑपरेशन सिंदूर रहा, जब पूरा देश एकजुट नजर आया. क्या सत्ता पक्ष और क्या विपक्ष, अगर सीजफायर पर आरोप-प्रत्यारोप को दरकिनार कर दें तो जिस तरह सभी दलों के सांसदों की अलग-अलग टीम बनाकर दुनिया में भारत का पक्ष समझाने के लिए भेजी गई, उसने अनूठी मिसाल पेश की।जगदीप धनखड़ का उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा और वोट चोरी के आरोपों के बीच चुनाव आयोग की तरफ से स्क्रूक्रयानी विशेष गहन पुनरीक्षण कराए जाने को लेकर भी खासा विवाद हुआ. कांग्रेस नेता राहुल गांधी तो स्क्रूक्रके बहाने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ, वोट चोर, गद्दी छोड़ मुहिम ही चलाने लगे हैं. 2025 में देश की न्यायपालिका भी कुछ घटनाओं और विवादों की वजह से सुर्खियों का हिस्सा बनी।जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया। ऑपरेशन सिंदूर में सरहद पार पाकिस्तान में बने कई आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया गया और 125 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए।

6 और 7 फरवरी की रात ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया, और बाद में पाकिस्तान के साथ बातचीत के बाद सीजफायर लागू कर दिया गया।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सीजफायर के लिए बीच बचाव का दावा रहा है, जिसे भारत सरकार ने सिरे से खारिज कर दिया है।

ट्रंप के दावे पर भारत में भी खूब राजनीति हुई।विपक्षी गठबंधन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार से सीजफायर के मामले में जवाब मांगता रहा, और चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग भी होती रही। विशेष सत्र तो नहीं बुलाया गया, लेकिन सत्र शुरू हुआ तो उसमें चर्चा जरूर हुई।बिहार चुनाव में नीतीश कुमार की सत्ता में वापसी से भी महत्वपूर्ण रहा विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल का महज 25 सीटों पर सिमट जाना. बिहार चुनाव के नतीजों ने 2014 के लोकसभा चुनाव की याद दिला दी. हालांकि, तेजस्वी यादव की आरजेडी को इतनी सीटें जरूर मिल गईं, जिससे नेता प्रतिपक्ष का पद मिल सके।2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में सत्ता परिवर्तन हो गया।आम आदमी पार्टी को शिकस्त देकर भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में भी सत्ता पर काबिज हो गई, और रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री बन गईं।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर टैरिफ लगाया।लेकिन, भारत का मामला थोड़ा अलग रहा। ऑपरेशन सिंदूर में सीजफायर कराने के उनके दावे को खारिज किए जाने के बाद 27 अगस्त से भारत पर ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया। यह कहकर कि सजा है रूसी तेल आयात करने की, जिससे पुतिन को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध लड़ने के लिए पैसा मिल रहा है। ट्रंप टैरिफ के बाद विपक्ष ने मोदी-ट्रंप दोस्ती को मुद्दा बनाकर बीजेपी सरकार की विदेश नीति पर हमला किया।चाहे इंडिगो एयरलाइंस से जुड़ी अव्यवस्था हो, वायु प्रदूषण को लेकर बढ़ता गुस्सा हो, भाजपा शासित राज्यों में बढ़ता भ्रष्टाचार हो या गिरता रुपया, मोदी सरकार अपनी ही अक्षमता में फंसी दिख रही है और रोजमर्रा के शासन की चुनौतियों से निपटने में जूझ रही है।अर्थव्यवस्था की लगातार सुस्ती भी मोदी के सपने के टूटने की एक बड़ी वजह है। निजी निवेश में काफी गिरावट आई है और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी कम हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने हाल ही में मोदी सरकार के विकास आंकड़ों की सटीकता पर सवाल उठाए हैं।भारतीय देश छोड़कर जा रहे हैं।पिछले पांच वर्षों में करीब 10 लाख लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी है।पहलगाम और दिल्ली के लाल किले में हुए आतंकी हमलों ने गृह मंत्री अमित शाह के उस दावे को गलत साबित कर दिया कि सीमा पार आतंकवाद की कमर तोड़ दी गई है।पहलगाम और दिल्ली में सुरक्षा की गंभीर चूक, खासकर यह तथ्य कि विस्फोटकों से भरी एक कार राष्ट्रीय राजधानी तक आसानी से पहुंच गई, ने चरमपंथ और उग्रवाद पर सख्ती से कार्रवाई करने वाली तथाकथित मजबूत सरकार की छवि को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

दवाओं के विज्ञापन कानून पर उठा 'सुप्रीम' सवाल जानें 1954 के अधिनियम की समीक्षा की मांग क्यों

नई दिल्ली ,एजेंसी। दवाओं और उपचारों के विज्ञापन से जुड़े कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक अहम याचिका दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया है कि वर्ष 1954 में बने कानून को आज के वैज्ञानिक दौर के हिसाब से अपडेट करने की जरूरत है। इस याचिका ने दवाओं के विज्ञापन, जनता के सूचना के अधिकार और आयुष पद्धति से जुड़े डॉक्टरों की भूमिका को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

यह याचिका सर्वोच्च अदालत में दायर की गई है। याचिकाकर्ता नितिन उपाध्याय ने केंद्र सरकार से मांग की है कि वह एक विशेषज्ञ समिति बनाए, जो ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 की अनुसूची की समीक्षा करे। याचिका में कहा गया है कि यह कानून उस समय बनाया गया था, जब चिकित्सा विज्ञान की स्थिति आज जैसी नहीं थी।

आयुष डॉक्टरों को लेकर उठाया गया सवाल: याचिका में यह भी मांग की गई है कि आयुष डॉक्टरों को भी कानून की धारा 2(सीसी) के तहत 'पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी' माना जाए। इस धारा में पंजीकृत डॉक्टर की परिभाषा दी गई है। याचिकाकर्ता का कहना है कि आयुष और अन्य गैर-एलोपैथिक पद्धतियों से जुड़े वैध डॉक्टरों को इस परिभाषा से बाहर रखना अनुचित है।

किस बात पर रोक लगाता है 1954 का कानून: 1954 का यह कानून कुछ खास बीमारियों और स्थितियों के इलाज से जुड़े दवाओं के विज्ञापन पर पूरी तरह रोक लगाता है। खासतौर पर धारा 3(डी) के तहत कुछ बीमारियों के इलाज से जुड़े किसी भी तरह के विज्ञापन पर पूर्ण प्रतिबंध है। याचिका में कहा गया है कि यह प्रावधान भ्रामक और सच्ची जानकारी के बीच कोई फर्क नहीं करता।

'पूरी तरह का प्रतिबंध जनता को अंधेरे में रखता है': याचिका में कहा गया है कि इस कानून का मकसद लोगों को झूठे और भ्रामक विज्ञापनों से बचाना था, लेकिन समय के साथ यह कानून एक 'ब्लैंकेट बैन' में बदल गया है। इसका असर यह हुआ है कि आयुष जैसे पद्धति से जुड़े डॉक्टर गंभीर बीमारियों के इलाज में उपलब्ध दवाओं की जानकारी भी जनता तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं।

बीएमसी चुनाव में सीट बंटवारे पर नहीं बनी सहमति बैठकों का दौर जारी; जमा हुए 44 नामांकन पत्र

मुंबई,एजेंसी। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर ठाकरे परिवार के दोनों गुटों और भाजपा-शिवसेना के बीच अभी सहमति नहीं बन पाई है। शनिवार को अलग-अलग दलों के नेताओं के बीच लगातार बैठकों का दौर चला, लेकिन कोई अंतिम फैसला नहीं हो सका। बीएमसी चुनाव 15 जनवरी को होने वाले हैं।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने अब तक अपने उम्मीदवारों की सूची का एलान नहीं किया है। इसी तरह उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और भाजपा ने भी अपने प्रत्याशियों के नाम साझा नहीं किए हैं। बीएमसी में कुल 227 वार्ड हैं।

दोपहर में मनसे के नेता बाला नंदगांवकर, नितिन सरदेसाई और संदीप देशपांडे ने उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। यह बैठक महिम विधानसभा क्षेत्र के वार्डों को लेकर मतभेद सुलझाने के लिए हुई, जिसमें दादर और प्रभादेवी जैसे इलाके आते हैं, जहां दोनों दलों का प्रभाव है। बाला नंदगांवकर ने पत्रकारों से कहा कि कुछ सीटों की आपस में अदला-बदली करनी जरूरी था, इसी को लेकर उद्धव ठाकरे से बातचीत हुई। उन्होंने बताया कि शनिवार रात को फिर बैठक होगी, जिसके बाद सीट बंटवारे की बातचीत अंतिम चरण में पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि मनसे ने अब तक सभी चुनाव अकेले लड़े हैं, इसलिए सीट साझेदारी की प्रक्रिया उसके लिए नई है।

भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच भी सीटों को लेकर गतिरोध बना हुआ है। शिवसेना के एक नेता ने बताया कि सत्तारूढ़ महायुति में शामिल दोनों दलों के बीच मीरा-भायंदर, ठाणे, नवी मुंबई और कल्याण-डोंबिवली की नगरपालिकाओं को लेकर बातचीत जारी है। महाराष्ट्र में मुंबई और पुणे समेत 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होंगे। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 30 दिसंबर है।

नामांकन प्रक्रिया के चौथे दिन जमा हुए 35 फॉर्म: मुंबई नगर निगम चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया के चौथे दिन शनिवार को 35 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, अब तक कुल 44 नामांकन पत्र प्राप्त हो चुके हैं। महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग की ओर से घोषित कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया 23 दिसंबर से शुरू हुई थी और यह 30 दिसंबर तक जारी रहेगी। विज्ञप्ति में कहा गया कि शनिवार को शहर के 23 निर्वाचन अधिकारियों के कार्यालयों से कुल 1,294 नामांकन फॉर्म वितरित किए गए। इसमें बताया गया कि पहले दिन 4,165 नामांकन फॉर्म वितरित किए गए थे। इसके बाद 24 दिसंबर को 2,844 फॉर्म और 26 दिसंबर को 2,040 फॉर्म वितरित गए। शनिवार के आंकड़ों के साथ अब तक कुल 10,343 नामांकन फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं। मतगणना 16 जनवरी को की जाएगी।

खड़े ट्रक से टकराई बाइक और स्कूटी, दो की मौत

सिलीगुड़ी, एजेंसी। नक्सलबाड़ी के सातभैया मोड़ पर खड़े एक ट्रक के साथ बााइक और स्कूटी के टकराने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। घटना शनिवार देर रात की है। जानकारी के अनुसार, रथखोला से टुकुरिया डिवीजन की ओर बाइक और स्कूटी पर सवार होकर चार युवक लौट रहे थे। सातभैया मोड़ के पास अचानक नियंत्रण खोने के बाद दोनों वाहन सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सभी दोपहिया सवार सड़क पर गिर पड़े। हादसे में बाइक चालक अभिषेक उरांव की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि घायलों को नक्सलबाड़ी ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो घायलों को उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज व अस्पताल रेफर किया गया। इनमें से एक को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जबकि इलाज के दौरान रोशन उरांव की मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर नक्सलबाड़ी थाने की पुलिस और ट्रैफिक पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

पुरी–भुवनेश्वर एनएच पर पीसीआर वैन को कार ने मारी टक्कर; 4 युवक हिरासत में

भुवनेश्वर,एजेंसी। शनिवार देर रात पुरी-भुवनेश्वर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक तेज रफ्तार कार ने पुलिस कंट्रोल रूम (पीसीआर) वैन को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे पुलिस वाहन को भारी नुकसान पहुंचा। यह हादसा साटा शंखा पुलिस आउटपोस्ट पुल के पास उस समय हुआ, जब पीसीआर वैन नियमित रात्रि गश्त पर थी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, कार ने तेज गति में पीसीआर वाहन को पीछे से जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पीसीआर वैन का एक पूरा हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के समय पीसीआर वैन में एक सब-इंस्पेक्टर समेत तीन पुलिसकर्मी मौजूद थे। सौभाग्य से किसी को चोट नहीं आई, हालांकि वाहन को गंभीर नुकसान पहुंचा है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि यह दुर्घटना रात करीब 1.30 बजे हुई। पीसीआर वैन से टकराने के बाद कार सड़क पर तीन बार पलटी खाकर अंततः रुक गई।

पुलिस ने बताया कि कार में सवार सभी चार युवक कथित तौर पर शराब के नशे में थे। सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इस घटना ने व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्ग पर नशे में वाहन चलाने को लेकर गंभीर चिंता खड़ी कर दी है। मामले की जांच जारी है।

साइबर पुलिस ने राजबाग में की छापेमारी, दो हिरासत में

श्रीनगर,एजेंसी। साइबर पुलिस श्रीनगर ने राजबाग इलाके में छापेमारी की । एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि छापेमारी के दौरान पुलिस को कार्यालय से संबंधित दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद हुए। पुलिस ने श्रीनगर के साइबर पुलिस स्टेशन में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 (डी) और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 112 के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 20/2025 के संबंध में दो लोगों को हिरासत में लिया। अधिकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए व्यक्तियों की पहचान अरामवारी राजबाग, श्रीनगर निवासी जफर अहमद मीर और नेपाल के मूल निवासी सुदीप के रूप में की गई है जो वर्तमान में अरामवारी, राजबाग में किराए पर रहते हैं। आगे की जांच चल रही है ।

पिघलते ग्लेशियर बन रहे मौत का खतरा

झील फटने से 609 तबाहियां, 13 हजार से ज्यादा जानें गईं

नई दिल्ली,एजेंसी। हिमालय की ऊंची चोटियों पर जमी बर्फ अब सिर्फ जलवायु परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि एक उभरता हुआ जानलेवा खतरा बनती जा रही है। बीते 120 वर्षों के वैश्विक आंकड़े बताते हैं कि ग्लेशियर झीलों के टूटने से आई बाढ़ की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं और अब तक दुनिया भर में 13,000 से अधिक जिंदगियां निगल चुकी हैं।

सिक्किम की तीस्ता घाटी में आई तबाही इसी खतरे की ताजा और भयावह मिसाल है, जिसने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या भविष्य में ऐसी त्रासदियां अपवाद नहीं, बल्कि सामान्य हो जाएंगी। अक्टूबर 2023 में सिक्किम की तीस्ता घाटी में आई विनाशकारी बाढ़ ने 55 लोगों की जान ले ली और 1,200 मेगावाट क्षमता का हाइड्रोपावर डैम पूरी तरह बह गया। यह बाढ़ दक्षिण ल्होनक झील के टूटने से आई थी, जिसे वैज्ञानिक भाषा में ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलओएफ) कहा जाता है। यह घटना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि हिमालय की शांत दिखने वाली बर्फ के नीचे एक गहरा और खामोश खतरा लगातार बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं की एक टीम (जिसमें ब्रिटेन की डंडी यूनिवर्सिटी के ग्लेशियर विशेषज्ञ डॉक्टर साइमन कुक शामिल हैं) ने 120 वर्षों के आंकड़ों का विस्तृत विश्लेषण किया।

हर साल जीएलओएफ की 15 घटनाएं: सैटेलाइट चित्रों और ऐतिहासिक रिकॉर्ड के आधार पर वैज्ञानिकों ने दुनिया भर में जीएलओएफ की 609 घटनाओं की पहचान की है। यह संख्या पहले के वैश्विक रिकॉर्ड से कहीं अधिक है, जहां 1900 से 2020 के बीच सिर्फ 400 घटनाएं दर्ज थीं। शोध के मुताबिक इनमें सबसे ज्यादा घटनाएं हिमालय और ट्रॉपिकल एंडीज क्षेत्रों में हुई हैं, जहां मानव आबादी और बुनियादी ढांचे पर असर सबसे गंभीर रहा है। अध्ययन से स्पष्ट होता है कि बढ़ते वैश्विक तापमान और ग्लेशियर झीलों के टूटने के बीच सीधा संबंध है। 1981 से 1990 के बीच दुनिया भर में हर साल औसतन पांच ऐसी बाढ़ की घटनाएं होती थीं, जबकि 2011 से 2020 के बीच यह आंकड़ा बढ़कर 15 प्रति वर्ष हो गया।

मौतों का वैश्विक आंकड़ा: ग्लेशियर झीलों के टूटने से आई बाढ़ अब तक दुनिया भर में 13,000 से अधिक लोगों की जान ले चुकी है। सबसे ज्यादा नुकसान हिमालयी क्षेत्र और दक्षिण अमेरिका के ट्रॉपिकल एंडीज में हुआ है, जहां पहाड़ी ढलानें, नदियां और मानव बस्तियां सीधे इस खतरे की जद में हैं।

भाजपा और हुमायूं कबीर में कोई फर्क नहीं', अभिषेक बनर्जी का पार्टी से निलंबित विधायक पर तीखा हमला

कोलकाता,एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने जन उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर पर तीखा हमला बोला है। शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कबीर के अतीत और उनके द्वारा हाल ही में मस्जिद निर्माण की घोषणा को लेकर उन पर निशाना साधा।

हुमायूं कबीर और बीजेपी में कोई फर्क नहीं: बनर्जी टीएमसी राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने निशाना साधते हुए कहा कि कबीर ने पहले उसी भारतीय जनता पार्टी को जॉइन किया था, जिसने बाबरी मस्जिद को गिराया था। बनर्जी ने कहा कि मंदिर-मस्जिद के मुद्दे पर राजनीति करने में हुमायूं कबीर और बीजेपी में कोई फर्क नहीं है। गौरतलब है कि हुमायूं कबीर ने इस महीने की शुरुआत में मुर्शिदाबाद में बाबर के नाम पर मस्जिद बनाने की घोषणा की थी, जिसके बाद टीएमसी ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया।

अभिषेक बनर्जी ने साधा निशाना: शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा, 'यह (बाबरी मस्जिद) कहां बन रही है? मुझे कोई निर्माण शुरू होता नहीं दिख रहा है। अगर वे मंदिर और मस्जिद के मुद्दे पर राजनीति करना चाहते हैं, तो उनमें और भाजपा में क्या फर्क है? भाजपा ने मंदिर बनाने पर राजनीति की, और वे मस्जिद बनाने पर राजनीति कर रहे हैं।'

'सभी को धार्मिक स्थल बनाने का अधिकार है, लेकिन... ' बनर्जी ने याद दिलाया कि हुमायूं कबीर पूर्व में भाजपा के उम्मीदवार रह चुके हैं। उन्होंने कहा, 'बाबरी मस्जिद की घटना 1992 में हुई थी, लेकिन कबीर को यह बात 27 साल तक समझ नहीं आई और वे उसी भाजपा में शामिल हो गए, जिसने मस्जिद गिराई थी।' बनर्जी ने आगे कहा कि हालांकि सभी को धार्मिक स्थल बनाने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इसमें राजनीति नहीं लानी चाहिए। अपने बयान में बनर्जी ने कहा, 'सभी को धार्मिक स्थल बनाने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इसमें राजनीति नहीं लानी चाहिए। अगर आप राजनीति में हैं, तो इसके बजाय अस्पताल और स्कूल बनाएं।'

चुनाव आयोग को बताया 'व्हाट्सएप कमीशन': अभिषेक बनर्जी ने भारत निर्वाचन आयोग (ECI) की भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने 'विशेष गहन संशोधन' (SIR) अभियान को बंगाल को 'परेशान' करने वाला बताते हुए चुनाव आयोग को 'व्हाट्सएप कमीशन' करार दिया। अभिषेक बनर्जी ने मांग करते हुए कहा कि संवैधानिक निकाय को पश्चिम बंगाल के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने एसआईआर अभ्यास के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) की कथित मौतों पर भी प्रकाश डाला।

बनर्जी ने कहा, 'एसआईआर के दौरान 45 लोगों की जान चली गई और छह लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। 29 BLOs (बूथ लेवल ऑफिसर) ने आत्महत्या की कोशिश की। हमने चुनाव आयोग से पांच बेसिक सवाल पूछे। लेकिन हमें ईसी से एक भी जवाब नहीं मिला।

हिमाचल में चार दिन बारिश-बर्फबारी के आसार

घने कोहरे का येलो अलर्ट

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मौसम करवट लेने जा रहा है और लंबे समय से चला आ रहा ड्राई स्पेल अब टूट सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के ताज़ा पूर्वानुमान के अनुसार 30 दिसंबर से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इसके असर से राज्य के अधिकतर हिस्सों में बादल छाने और बारिश व बर्फबारी होने की संभावना है।

30 दिसंबर से 2 जनवरी तक लगातार चार दिन मौसम खराब रह सकता है, जबकि 29 दिसंबर को मौसम साफ रहने का अनुमान है और 3 जनवरी को फिर से आसमान साफ हो सकता है। इस दौरान लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू, चंबा, मंडी, शिमला और कांगड़ा जिलों में बारिश व ऊंचे इलाकों में बर्फबारी के आसार जताए गए हैं।

हिल स्टेशनों शिमला, कुफरी और मनाली में सीजन की पहली बर्फबारी देखने को मिल सकती है, जिसका सैलानी लंबे समय से इंतज़ार कर रहे हैं। शिमला में यह लगातार चौथा साल है जब दिसंबर में बर्फबारी नहीं हुई है। इससे पर्यटन कारोबार से जुड़े लोग भी मायूस हैं। इस बदलाव से किसानों और बागवानों को राहत मिल सकती है, क्योंकि सेब सहित अन्य फसलों के लिए ठंड और नमी बेहद ज़रूरी मानी जाती है। उधर, मौसम के इस बदले मिज़ाज के साथ-साथ निचले और मैदानी इलाकों में घने कोहरे की समस्या भी बढ़ गई है। मौसम विभाग ने मंडी और बिलासपुर जिलों के लिए घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है और चेतावनी दी है कि अगले चार दिन यानी एक जनवरी तक सुबह और देर रात को दृश्यता बेहद कम रह सकती है। रविवार को बिलासपुर में कोहरे के कारण विज़िबिलिटी घटकर 50 मीटर और सुंदरनगर में 70 मीटर दर्ज की गई, जबकि मंडी में मध्यम स्तर का कोहरा छाया रहा। कोहरे के चलते सड़क यातायात पर असर पड़ रहा है और वाहन चालकों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

ज्वेलरी शोरूम में दुस्साहसिक चोरी

सिलीगुड़ी, एजेंसी। सिलीगुड़ी के व्यस्त हिल कार्ट रोड इलाके में सोने की दुकान में चोरी की घटना से हड़कंप मच गया है। शहर के प्रमुख मार्ग पर स्थित बीपीएस ज्वेलर्स में देर रात चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। रविवार सुबह दुकान खुलते ही चोरी का पता चला, पुलिस को सूचना दी गई।

दुकान मालिक के अनुसार, चोर लगभग 30 किलो चांदी और 100 से 200 ग्राम सोना लेकर फरार हो गए। हालांकि, दुकान के भीतर रखे लॉकर को काटने की कोशिश की गई, लेकिन उसमें रखे सोने तक चोर नहीं पहुंच सके। लॉकर नहीं काट पाने के कारण दुकान को बड़ी क्षति से बचा लिया गया। चोरों ने चोरी के दौरान दुकान में लगे सभी सीसीटीवी कैमरों को काट दिया और डीवीआर बॉक्स भी अपने साथ ले गए। हालांकि, एक मेमोरी वाला कैमरा मौजूद था, जिससे कुछ अहम सुराग मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में अनुमान लगाया जा रहा है कि चोर पिछले कई दिनों से दुकान की पिछली दीवार को धीरे-धीरे काट रहे थे और फिर सुनियोजित तरीके से देर रात इस बड़ी चोरी को अंजाम दिया। दुकान के शटर और अंदरूनी हिस्सों में तोड़फोड़ के स्पष्ट निशान मिले हैं। पुलिस का मानना है कि चोरी में विशेष उपकरणों का इस्तेमाल किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही सिलीगुड़ी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और आरोपितों को जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

नए साल पर देश के इन चार बड़े धर्मस्थलों पर पहुंचेंगे लाखों भक्त

नई दिल्ली,एजेंसी। नए साल के मौके पर देश के चार बड़े धार्मिक स्थलों (तिरुपति, शिर्डी, वैष्णो देवी, अयोध्या) में भारी भीड़ जुटने वाली है। अनुमान है कि 31 दिसंबर और एक जनवरी को करीब इन जगहों पर 10 लाख श्रद्धालुओं पहुंचेंगे। श्रद्धालुओं की इतनी बड़ी संख्या को देखते हुए मंदिर प्रशासन और स्थानीय प्रशासन ने विशेष व्यवस्थाएं की हैं, ताकि दर्शन सुरक्षित और सुचारू रूप से हो सकें।

तिरुपति में बिना टोकन दर्शन नहीं: आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में 30 दिसंबर से वैकुंठ एकादशी उत्सव शुरू हो रहा है, जो 10 दिनों तक चलेगा। इसी बीच नए साल का उत्सव भी है, जिससे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ पहुचने की संभावना है। इस भीड़ को देखते हुए यहां सख्त नियम बनाए गए हैं। 30 दिसंबर से एक जनवरी तक सिर्फ उन्हीं भक्तों को दर्शन मिलेंगे जिनके पास एडवांस बुकिंग वाला टोकन होगा। 29 से 31 दिसंबर के लिए 1.89 लाख टोकन जारी करने के बाद काउंटर बंद कर दिए गए हैं। पिछले साल हुई भगदड़ जैसी घटनाओं को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है।

शिर्डी साईंबाबा मंदिर पूरी रात खुला रहेगा: नए साल के मौके पर महाराष्ट्र के शिर्डी साईंबाबा मंदिर में छह लाख भक्तों के आने की उम्मीद है। इसको देखते हुए 31 दिसंबर को मंदिर पूरी रात खुला रहेगा। इस वजह से रात 10 बजे की शेजारती और 1 जनवरी की सुबह होने वाली काकड़ आरती नहीं होगी। इस मौके पर आम भक्तों की सुविधा के लिए वीआईपी दर्शन बंद रहेंगे। साईं बाबा के मुख दर्शन के लिए बाहर एक सोने की खिड़की बनाई गई है। प्रशासन का दावा है कि इस बार दर्शन का समय पहले से कम होगा।

वैष्णो देवी में भी रहेगी बंपर भीड़: जम्मू-कश्मीर के कटरा में माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए इस बार सख्त नियम लागू किए गए हैं। कटरा पहुंच रहे श्रद्धालुओं के दस्तावेजों की जांच होटलों में ही कराई जा रही है और उनकी सही पहचान होने के बाद ही यात्रा कार्ड दिया जाएगा। यह कार्ड भी सीमित समय के लिए होगा, क्योंकि कार्ड मिलने के दस घंटे के भीतर यात्रा शुरू करनी होगी। भक्तों को 24 घंटे के अंदर वापस लौटना होगा। नए साल के मौके पर यहां करीब 70 हजार से एक लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

अयोध्या में होटल और पास अभी से बुक: वहीं राम नगरी अयोध्या में पहले से ही भारी भीड़ है। यहां नए साल के मौके पर दो लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। शहर के सभी बड़े होटल व धर्मशालाएं अभी से भर गए हैं। आरती और दर्शन के पास एक जनवरी तक बुक हो चुके हैं। ठंड को देखते हुए श्रद्धालुओं के लिए रास्तों में गैस हीटर लगाए गए हैं। यहां दर्शन और के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

उत्तर भारत में घने कोहरा का असर, ट्रेन और फ्लाइट की सेवाएं बुरी तरह प्रभावित

नई दिल्ली ,एजेंसी। उत्तर भारत के कई शहरों में एक बार फिर घने कोहरे और खराब मौसम ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। खासकर इसका ज्यादा बड़ा प्रभाव यातयात सेवा पर पड़ रहा है। कम दिखाई देने की वजह से रेल और हवाई यातायात दोनों बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कई ट्रेनें अपने तय समय से घंटों देरी से चल रही हैं, जबकि कुछ के रास्ते बदल दिए गए हैं। वहीं, दिल्ली समेत कई शहरों में फ्लाइट्स भी देर से उड़ान भर रही हैं या रद्द होने की आशंका है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, उत्तर भारत में घने कोहरे के कारण अब तक चार दर्जन से ज्यादा ट्रेनें अपने निर्धारित समय से देरी से चल रही हैं। कोहरे के चलते ट्रेनों की रफ्तार कम रखी जा रही है, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है।

कौन-कौन सी ट्रेन हुई प्रभावित: बता दें कि घने कोहरे के चलते प्रमुख ट्रेनों में प्रयागराज एक्सप्रेस करीब 5 घंटे, रीवा-आनंद विहार एक्सप्रेस लगभग 9 घंटे, नई दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस 4 घंटे, ब्रह्मपुत्र मेल लगभग 45 मिनट, जबकि महाबोधि और संपर्ण क्रांति एक्सप्रेस 4 से 5 घंटे लेट हैं। इसके अलावा कई मेल और एक्सप्रेस ट्रेनें भी घंटों देरी से अपने गंतव्य पर पहुंच रही हैं।

फ्लाइट्स पर भी पड़ा असर: इतना ही नहीं खराब मौसम का असर हवाई यातायात पर भी साफ दिख रहा है। स्पाइसजेट, एअर इंडिया और इंडिगो जैसी एयरलाइंस ने यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। दिल्ली एयरपोर्ट प्रशासन ने भी चेतावनी दी है कि कम विजिबिलिटी के कारण उड़ानों के समय में बदलाव हो सकता है। दिल्ली एयरपोर्ट पर इस समय दस से ज्यादा फ्लाइट्स देरी से संचालित हो रही हैं। इससे जुड़ी कनेक्टिंग फ्लाइट्स पर भी असर पड़ सकता है। हालांकि एयरलाइंस और रेलवे दोनों ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले फ्लाइट और ट्रेन का स्टेटस जरूर जांच लें। ट्रेन यात्री हृञ्चश्वस्ऐप और हवाई यात्री एयरलाइंस की वेबसाइट या ऐप से ताजा जानकारी ले सकते हैं।

कई शहरों में बिगड़ा हाल: गौरतलब है कि कोहरे का असर सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं है। अमृतसर, जम्मू, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, चंडीगढ़, पटना, दरभंगा, हिंडन, रांची, गुवाहाटी और बागडोगरा जैसे शहरों में भी उड़ानों और ट्रेनों पर असर देखा जा रहा है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में अगले कुछ दिनों तक कोहरा बना रह सकता है। ऐसे में यात्रियों को और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

स्मीयर माइक्रोस्कोपी से छूट जाते हैं कई टीबी केस : डॉ. आशुतोष दुबे

लखनऊ,एजेंसी। ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) के लिए सबसे ज़्यादा इस्तेमाल होने वाले डायग्नोस्टिक टेस्ट, स्मीयर माइक्रोस्कोपी की सीमित संवेदनशीलता के कारण बड़ी संख्या में टीबी के मामले बिना पता चले रह जाते हैं। इस बात पर ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स), गोरखपुर द्वारा किए गए और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइकोबैक्टीरियोलॉजी में प्रकाशित हालिया अध्ययन में ज़ोर दिया गया है।

यह अध्ययन स्मीयर माइक्रोस्कोपी पर लगातार निर्भरता के बारे में चिंताएं पैदा करता है। खासकर उन मरीज़ों में जिनमें बैक्टीरिया का लोड कम होता है, बीमारी शुरुआती दौर में होती है, एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टीबी होती है, या एचआईवी और डायबिटीज़ जैसी सह-बीमारियां होती हैं। इन समूहों में पारंपरिक डायग्नोस्टिक तरीकों से बीमारी का पता न चलने का खतरा ज़्यादा होता है, जिससे इलाज में देरी होती है और बीमारी फैलती रहती है। अध्ययन के अनुसार, 4,249 पल्मोनरी और एक्स्ट्रा-पल्मोनरी नमूनों के विश्लेषण से पता चला कि स्मीयर माइक्रोस्कोपी ने केवल 4.3 प्रतिशत मामलों में टीबी का पता लगाया। इसकी तुलना में, TrueNat माइकोबैक्टीरियम टीबी/रिफैम्पिसिन (आरआईएफ) टेस्ट ने 13.7 प्रतिशत नमूनों में इन्फेक्शन की पहचान की, जो इसकी बेहतर संवेदनशीलता को दर्शाता है। लखनऊ सिविल अस्पताल के सीनियर टीबी रोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष दुबे ने रविवार को बताया, स्मीयर माइक्रोस्कोपी सस्ती और आसानी से उपलब्ध है, लेकिन इसकी संवेदनशीलता सीमित है। खासकर शुरुआती बीमारी, एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टीबी, एचआईवी को-इंफेक्शन या डायबिटीज वाले मरीजों में।

डॉ. आशुतोष के अनुसार, सही इलाज शुरू करने और आगे संक्रमण को रोकने के लिए दवा प्रतिरोध का शुरुआती पता लगाना बहुत ज़रूरी है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि पारंपरिक माइक्रोस्कोपी को मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स के साथ मिलाने से सीमित संसाधनों वाले व ज़्यादा बोझ वाले क्षेत्रों में टीबी नियंत्रण प्रयासों को काफी मज़बूत किया जा सकता है। इस अध्ययन के अनुसार शुरुआती पहचान को बढ़ाना, दवा प्रतिरोध की तुरंत पहचान करना और समय पर इलाज सुनिश्चित करना संचरण को कम करने, रोगी के परिणामों में सुधार करने और देश को टीबी-मुक्त भविष्य के करीब लाने में मदद कर सकता है।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू अयोध्या पहुंचे, राम मंदिर में करेंगे दर्शन-पूजन

अयोध्या,एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू रविवार को श्री राम जन्मभूमि मंदिर में भगवान रामलला के दर्शन-पूजन के लिए अयोध्या पहुंचे। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने उनका स्वागत किया। यहां से वह राम मंदिर के लिए रवाना हुए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नायडू श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में लगभग तीन घंटे रहेंगे और मंदिर में दर्शन-पूजन के साथ मंदिर निर्माण की शैली देखेंगे।

पेड़ से लटका मिला दंपति का शव, 21 दिन पहले की थी शादी

सीतापुर,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में एक विवाहित जोड़ का शव उसी मंदिर में लगे पेड़ से लटका मिला, जहां सात दिसंबर को दोनों ने प्रेम विवाह किया था। उनकी शादी को अभी 21 दिन हुए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सीओ सदर नेहा त्रिपाठी भी घटनास्थल पर पहुंचकर मौका मुआयना किया। सीओ ने बताया कि लहरपुर थाना अंतर्गत बस्ती पुरवा के खुशीराम (22) और मोहिनी (20) का शव अनियापुर गांव के मंदिर परिसर में लगे पुराने पेड़ से लटका मिला है। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ है। इनके बारे ग्रामीणों से पता चला है कि ये दोनों एक दूसरे से प्रेम करते थे और इसी सात दिसंबर को इन लोगों ने इसी मंदिर में प्रेम विवाह किया था, आज उसी मंदिर के पेड़ से लटके दोनों के शव मिले हैं।

आईआईए बरेली चैप्टर ने नववर्ष 2026 डायरी का किया विमोचन, उद्यमी रत्न व युवा उद्यमी सम्मान प्रदान

बरेली,एजेंसी। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) बरेली चैप्टर की ओर से नववर्ष 2026 की डायरी का भव्य विमोचन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शहर के प्रख्यात उद्योगपति एवं समाजसेवी सुदीप राजगढ़िया को बरेली उद्यमी रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। वहीं युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संदीप तिवारी को युवा उद्यमी पुरस्कार प्रदान किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना रहे। उन्होंने आईआईए की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि संस्था उद्योगों के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के प्रति भी सजग रहती है। उन्होंने सभी को नववर्ष 2026 की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल ने आगामी तीन बड़े राष्ट्रीय एक्सपो की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इंडिया फूड एक्सपो 16 से 18 जनवरी 2026 को लखनऊ, इंडिया सोलर एवं ई-व्हीकल एक्सपो 21 से 23 फरवरी 2026 को मेरठ तथा यूपी डिफेंस एक्सपो 2026 कानपुर में आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर उद्योग-एकेडेमिया सहयोग को नई दिशा देते हुए श्री राम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट (SRMS) एवं आईआईए के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसका उद्देश्य रिसर्च, इनोवेशन, स्किल डेवलपमेंट, इंटर्नशिप, स्टार्टअप और इनक्यूबेशन गतिविधियों को बढ़ावा देना है। एमओयू पर SRMS की ओर से सचिव आदित्य मूर्ति और आईआईए की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल ने हस्ताक्षर किए।

चैप्टर चेयरमैन मयूर धीरवानी ने कहा कि एमआरएमएस कॉलेज के इंजीनियरिंग और एमबीए के छात्र उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं और उद्योग उन्हें प्रशिक्षण देकर व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर सकते हैं। वहीं डायरी की विशेषताओं पर ऋषभ दीक्षित ने प्रकाश डालते हुए बताया कि डायरेक्ट्री युक्त यह डायरी सदस्यों के लिए अत्यंत उपयोगी होगी।

कार्यक्रम में उद्यमी मित्र संयुक्त अवार्ड आईपीएस मानुष पारीक, एसपी सिटी बरेली तथा मंसूर कटियार, क्षेत्रीय प्रबंधक यूपीसीडा बरेली को प्रदान किया गया। इसके अलावा आईएमए स्टेट प्रेसिडेंट डॉ. रविश अग्रवाल का भी सम्मान किया गया।

आईआईए बरेली चैप्टर के कोषाध्यक्ष आशीष गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीष शर्मा ने किया। चैप्टर सचिव रजत मेहरोत्रा ने विगत माह में किए गए कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। अंत में सहसचिव ध्रुव खानिजों ने धन्यवाद ज्ञापन किया। देर रात तक रंगारंग कार्यक्रमों के साथ नववर्ष का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का समापन देर रात रंगारंग कार्यक्रमों के साथ हुआ। समारोह में लगभग 200 उद्यमियों ने भाग लिया।

मेयर ने पार्षद को सस्पेंड किया, उसके वार्ड की सच्चाई आबादी 3000, किसी के घर टॉयलेट नहीं

कानपुर,एजेंसी। हमें हर दिन टॉयलेट की लाइन में लगना पड़ता है। बच्चे स्कूल जाने में लेट हो जाते हैं। कोई रिश्तेदार हमारे घर नहीं आता। हमारे बेटे कुंवारे बैठे हैं। बेटियों की शादी की, लेकिन दामाद को यहां आना पसंद नहीं। क्योंकि हमारे घर पर निजी टॉयलेट नहीं है। ये दर्द है कानपुर के वार्ड-37 के संतलाल के हाता में रहने वाले लोगों का। शुक्रवार को नगर निगम के सदन में हुए हंगामे के बाद मेयर प्रमिला पांडेय ने यहां के पार्षद पवन गुप्ता को आगामी 4 बैठकों के लिए सस्पेंड कर दिया। सदन में वह अपने वार्ड की इसी समस्या को उठा रहे थे, लेकिन हंगामा शुरू हो गया था। शहर की पॉश कॉलोनी के बीच है बस्ती वार्ड 37 का 'संतलाल का हाता' शहर के बीचोंबीच पॉश कालोनियों के बीच स्थित है। इसकी नगर निगम कार्यालय से दूरी लगभग एक से डेढ़ किलोमीटर और जलकल विभाग से महज 500 मीटर है। फिर भी यह इलाका सबसे बड़ी मूलभूत सुविधा शौचालय के लिए तरस रहा है। इस इलाके में सीवर लाइन नहीं है। इसी कारण से यहां किसी भी घर में निजी शौचालय नहीं है।

मुस्कान की बेटी हुई तो साहिल ने कहा- पार्टी दूंगा

बंदियों से बोला- तुम चाचा बने; जेल में रहे छात्र नेता ने बताई अंदर की कहानी

मेरठ ,एजेंसी। नीले ड्रम में पति सौरभ को काटकर सीमेंट से जमा देने वाली मुस्कान और साहिल 10 महीने से जेल में हैं। मुस्कान ने 24 नवंबर को हॉस्पिटल में बेटी 'राधा' को जन्म दिया। साहिल को जिस बैरक में रखा गया है, उसके साथ सजा काट रहे छात्र नेता अक्षय बैंसला को 24 दिसंबर को जमानत मिली। 48 दिन जेल में रहे अक्षय ने साहिल को बताया कि मुस्कान को बेटी हुई है। तब उसने कहा कि तुम सब चाचा बन गए हो। जेल से निकलने दो, तुम सबको पार्टी दूंगा।

अक्षय बैंसला मेरठ शहर से 15च्द्व दूर खानपुर गांव का रहने वाला है। उसके खिलाफ मेरठ यूनिवर्सिटी में गोली चलाने के आरोप हैं। वो 6 नवंबर को जेल गया, 24 दिसंबर को जमानत पर बाहर आ गया है। इन 48 दिनों में अक्षय को जिस बैरक में रखा गया, उसमें सौरभ की लाश को 4 टुकड़ों में काट देने वाला साहिल शुक्ला भी था।

अक्षय कहते हैं- स्टूडेंट पॉलिटिक्स करते हुए मैं पहले भी जेल गया, मगर इस बार डरा हुआ था। जिस बैरक में रखा गया, वहां मैंने साहिल को देखा, उसके बारे में अखबारों में पढ़ चुका था। मेरी हालत ऐसी नहीं थी कि ज्यादा लोगों से बातचीत करूं।

मगर साहिल की उम्र कम थी, इसलिए हम जल्दी एक दूसरे से बात करने लगे। एक दिन मैंने उससे पूछा कि तुमसे कोई मिलने नहीं आता है। उसने कहा- नहीं, कोई नहीं है। मुझे दूसरे बंदियों ने बताया कि साहिल का भाई और उसकी बुजुर्ग नानी सिर्फ उससे जेल में आकर मिली हैं।

साहिल को जेल का नाश्ता, चाय पसंद नहीं, कैंटीन में खाता था : जेल में डेली हम दोनों का रूटीन बंदियों की गिनती से शुरू होता था। साथ में वार्डन को गिनती करवा देते थे, फिर चाय पीने जाते थे। साहिल को जेल की चाय और नाश्ता पसंद नहीं था, इसलिए जो उसको खाने को मिलता था, वो लेता नहीं था। हम दोनों कैंटीन में जाकर चाय और नाश्ता करते थे। इन दिनों सर्दियां हैं, इसलिए चाय पीने के बाद हम दोनों बरामदे में टहल लेते थे।

बंदी पूछते- सौरभ को कैसे मारा, मुस्कान को लेकर कहां घूमे 3 साहिल जेल में कैसे रहता है? अक्षय कहते हैं- वो अक्सर अकेला रहता है, ज्यादा किसी से बातचीत नहीं करता है। ऐसा इसलिए भी हो सकता है, क्योंकि वो एक दिन बता रहा था कि जेल आने के बाद बंदी उससे पूछते थे कि सौरभ को कैसे मारा मुस्कान के साथ कहां-कहां घूमे । इन सवालों का साहिल जवाब नहीं देता था, इसलिए बंदियों के साथ बातचीत से बचता था। हालांकि, जब भी मैंने साहिल को बाकी बंदियों से बातचीत करते हुए देखा, उसका व्यवहार बहुत नार्मल रहता था। जेल में उसको सब्जियां उगाने के काम पर रखा गया है।

कानपुर में डीएम को रैन बसेरे में नहीं मिलीं मूलभूत सुविधाएं

केयर टेकर को लगाई फटकार

कानपुर,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर में अत्यधिक ठंड को देखते हुए जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने घंटाघर स्थित रविवार को स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत नव सृजन सोसाइटी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित रैन बसेरे का जायजा लिया। वहां मूलभूत सुविधाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। कमियों पर डीएम ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और मौके पर मौजूद केयर टेकर को फटकार लगाई। इस दौरान यह भी सामने आया कि स्टील के ढांचे से अस्थायी रूप से निर्मित इस रैन बसेरे में ठहरने की क्षमता 24 व्यक्तियों की है, लेकिन मूलभूत सुविधाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। मौके पर न तो रसोईघर की कोई व्यवस्था थी और न ही पीने के पानी व शौचालय की सुविधा उपलब्ध मिली। गद्दे, कंबल, दरी और चादर मौजूद तो थे, लेकिन उनकी साफ-सफाई की स्थिति बेहद खराब पाई गई। इसके अलावा बाल्टी और मग जैसी आवश्यक दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी रैन बसेरे में उपलब्ध नहीं थीं। रजिस्टर में दर्ज मोबाइल नंबरों की भी जांच की गई। दो मोबाइल नंबरों पर इनकमिंग कॉल बंद मिली, जबकि एक अन्य नंबर पर विवेक कुमार से संपर्क स्थापित हुआ। उन्होंने बताया कि वे बीती रात लगभग नौ बजे रैन बसेरे में आए थे और सुबह करीब पौने छह बजे वहां से चले गए। नव सृजन सोसायटी के प्रतिनिधि द्वारा रैन बसेरे में रात्रि निवास करने वालों से 20 रुपए लेने की पुष्टि हुई, जिसके उपरांत डीएम ने उसके विरूद्ध सख्त कार्रवाई के लिए निर्देशित किया तथा जोनल अधिकारी से खराब पर्यवेक्षण के संबन्ध में स्पष्टीकरण भी तलब किया।

जिलाधिकारी ने नगर निगम के संबंधित जोनल अधिकारी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी एवं अपर नगर आयुक्त को निर्देशित किया कि नगर निगम क्षेत्र के सभी रैन बसेरों का नियमित रूप से स्वयं निरीक्षण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि रैन बसेरे की सुविधा पूर्णतया निःशुल्क है। यदि कोई व्यक्ति किसी भी प्रकार के धन की मांग करता है तो उसके विरुद्ध सख्त विधिक कार्रवाई की जाएगी। सभी रैन बसेरों में स्वच्छ बिस्तर, पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई व्यवस्था, इमरजेंसी प्रकाश व्यवस्था तथा ठंड से बचाव के लिए अलाव सहित सभी आवश्यक सुविधाएं तत्काल सुनिश्चित कराई जाएं।

बांग्लादेशी सरकार के खिलाफ बजरंगदल का विरोध

मार्च निकालकर कर नारेबाजी जमकर की, बीच चौराहे पुतला फूंका

वाराणसी, एजेंसी। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता के बीच अल्पसंख्यक हिंदुओं पर कथित हिंसा, उत्पीड़न और हत्याओं के विरोध में अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद और राष्ट्रीय बजरंगदल काशी की ओर से गुरुधाम चौराहे पर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया और भारत सरकार से कड़े कदम उठाने की मांग की।

महामंत्री अर्जुन ने कहा- पिछले वर्ष बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के तख्ता पलट के बाद से वहां हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसक घटनाओं में वृद्धि हुई है। परिषद ने दावा किया कि बीते महीनों में ऐसी अनेक घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें मंदिरों को नुकसान, घरों में आगजनी, लूटपाट और जानमाल की हानि की खबरें शामिल हैं। उनका कहना है कि इन घटनाओं से वहां के हिंदू अल्पसंख्यकों में भय का माहौल है।

पुतना दहन कर जमकर की नारेबाजी : प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने आरोप लगाया कि कट्टरपंथी तत्वों द्वारा धार्मिक पहचान के आधार पर हिंसा की जा रही है और प्रशासन हालात पर प्रभावी नियंत्रण नहीं कर पा रहा। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्रीय शांति और भारत की सुरक्षा पर भी इसके दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं, इसलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हस्तक्षेप आवश्यक है। गुरुधाम चौराहे पर एकत्रित कार्यकर्ता बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का प्रतीकात्मक पुतला लेकर जुलूस के रूप में चेतमणि चौराहे तक पहुंचे, जहां पुतला दहन किया गया। इस दौरान प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा और पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

भारत सरकार से हस्तक्षेप का उठाया मांग : अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद और राष्ट्रीय बजरंगदल काशी ने भारत सरकार से मांग की कि वह कूटनीतिक और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा का मुद्दा उठाए, वहां शांति बहाल कराने के लिए ठोस पहल करे और पीड़ित समुदाय के लिए सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराए। प्रदर्शन के अंत में कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंपने की भी घोषणा की।

लखनऊ में हार्ट के मरीजों की संख्या 30 प्रतिशत बढ़ी हाई रिस्क कैटेगिरी में बीपी के मरीज, जानिए लक्षण और बचाव के उपाय

लखनऊ ,एजेंसी। सर्दी में ब्लड प्रेशर बेकाबू हो रहा है। हार्ट के मरीजों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मरीज घबराहट, सीने में भारीपन और दर्द जैसे लक्षणों के साथ अस्पताल पहुंच रहे हैं। डॉक्टर जांच के बाद मरीजों की दवाओं में सुधार कर रहे हैं। काफी मरीजों को ब्लड प्रेशर की दवा बढ़ाने की सलाह दी जा रही है।

केजीएमयू और लोहिया संस्थान के कॉर्डियोलॉजी विभाग की ओपीडी में दिल के मरीजों की संख्या में 30 प्रतिशत तक का इजाफा हो गया है।

रोज पहुंच रहे इतने मरीज : इमरजेंसी में भी हार्ट अटैक व हार्ट फेल के मरीजों की संख्या में वृद्धि हो गई है। लारी कॉर्डियोलॉजी विभाग की ओपीडी में मरीजों की संख्या 400 के पास पहुंच गई है। लोहिया के कॉर्डियोलॉजी विभाग

में 300 से अधिक मरीज रोज ओपीडी में पहुंच रहे हैं।

इस वजह से बढ़ती है परेशानी : लोहिया में कॉर्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. भुवन चन्द्र तिवारी ने बताया कि सर्दियों में दिल को खून पहुंचाने वाली नसों में सिकुड़न बढ़ जाती है। जिससे ब्लड प्रेशर बेकाबू हो सकता है। दिल पर दबाव बढ़ता है, जिससे ऑक्सीजन की मांग में भी इजाफा होता है। जो दिल के मरीजों के लिए खतरनाक हो सकता है। जिससे हार्ट अटैक होने का खतरा बढ़ सकता है।

इंफेक्शन का ज्यादा खतरा: लारी कॉर्डियोलॉजी विभाग के डॉ.ऋषि सेठी ने बताया सर्दियों में फ्लू और सांस के संक्रमण का खतरा होता है, जिससे बुखार आने पर दिल की धड़कन तेज हो जाती है। ऑक्सीजन की जरूरत बढ़ जाती है जो हार्ट अटैक का कारण बन सकता है। उन्होंने बताया कि ओपीडी में 20 से 30 मरीजों की ब्लड प्रेशर व दूसरी दवाओं की डोज बढ़ाने की जरूरत पड़ रही है।

किशोरी घर से 20 हजार नकदी व लाखों के जेवर लेकर लापता,पड़ोसी युवक पर आरोप

महोबा,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में खन्ना थाना क्षेत्र अंतर्गत 20 हजार की नकदी और डेढ़ लाख से ज्यादा कीमत के आभूषण लेकर किशोरी घर से लापता हो गई है। लापता किशोरी के पिता ने पड़ोसी युवक पर बेटी को भगा ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। खन्ना थाना प्रभारी अर्जुन सिंह ने रविवार को बताया कि क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने शिकायत में बताया है कि 25 दिसंबर को परिवार के सभी लोग खाना खाकर अपने-अपने कमरों में सोने चले गए। अगले दिन सुबह जागे तो उनकी 16 वर्षीय बेटी घर से लापता थी।

वो तो शेर था, पुलिस ने घेरकर मार दिया

हिस्ट्रीशीटर की अर्थी उठते ही चिल्लाई महिलाएं, मेरठ में विनय त्यागी का अंतिम संस्कार

मेरठ ,एजेंसी। मेरठ के रहने वाले हिस्ट्रीशीटर विनय त्यागी उर्फ टिंकू त्यागी का शनिवार रात ब्रजघाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। परिजन विनय का शव लेकर जैसे ही घर से निकले तो चीख-पुकार मच गई। महिलाओं ने चिल्लाते हुए कहा-

विनय के अंतिम संस्कार में 300 से अधिक लोग शामिल होने पहुंचे। रिश्तेदार और पैतृक गांव से भी लोग आए थे। लॉ एंड ऑर्डर को देखते हुए विनय के घर के बाहर फोर्स तैनात की गई थी। लाश की वैन के साथ पुलिस की जीप भी भेजी गई। परिवार वाले हंगामा न करें, इसे देखते हुए आसपास के थानों को अलर्ट किया गया।

विनय त्यागी करीब 5 साल पहले अपने परिवार के साथ मेरठ के मकान में ही रहता था। उसकी पढ़ाई भी यहीं से हुई थी। उसके पिता सेवाराम त्यागी मेरठ के एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज में कार्यालय अधीक्षक के रह चुके हैं।

24 दिसंबर को मुजफ्फरनगर में पेशी के दौरान दो बदमाशों ने विनय त्यागी को 3 गोलियां मारी थीं। जिसके बाद उसे ऋषिकेश के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 27 दिसंबर को इलाज के दौरान विनय की मौत हो गई थी।

70 मीटर तक अर्थी को कंधे पर पैदल ले जाया गया : विनय के घर से कॉलोनी के गेट तक करीब 70 मीटर तक अर्थी को कंधे पर पैदल ले जाया गया। इस दौरान बेटे, ससुराल पक्ष के लोगों और अन्य रिश्तेदारों ने विनय की अर्थी को कंधा दिया। इसके बाद शव वाहन में रखकर लोग ब्रजघाट के लिए रवाना हुए।

अंतिम संस्कार में विनय त्यागी की तीनों बहनें भी पहुंचीं। विनय त्यागी की कुल पांच बहनें हैं। इनमें से एक बहन गरिमा एक स्कूल में पीटीआई के पद पर कार्यरत हैं, जबकि दूसरी बहन सीमा दिल्ली पुलिस में सब-इंस्पेक्टर (SI) हैं। बाकी तीन बहनें भी हैं। विनय त्यागी अपनी पांचों बहनों में इकलौता भाई था।

अंतिम संस्कार शामिल होने नहीं पहुंची पत्नी : विनय की पत्नी अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुई, जबकि उसके बेटे, बेटी और बहनें मौके पर मौजूद रहे। विनय की बहनों ने हत्या की सीबीआई जांच कराने की मांग की। विनय के बच्चों ने चेहरे पर मास्क लगा रखे थे।

जब विनय त्यागी का शव लेकर लोग चले तो रोते-रोते एक बुजुर्ग महिला की हालत बिगड़ गई। वो बेहोश हो गई। इसके बाद उसके चेहरे पर पानी छिड़का गया। उसे तुरंत बिस्तर पर लिटाया गया। लगभग 15 मिनट बाद महिला को होश आया।